मानसरोवर के टेक्नॉलोजी पार्क में बनेगा इंदिरा महिला शक्ति केन्द्र

हाउसिंग बोर्ड और महिला एवं बाल विकास विभाग के बीच होगा 19 साल का एम.ओ.यू.

जलतेदीप संवाददाता, जयपुर

आवासन आयुक्त पवन अरोड़ा ने बताया कि राजस्थान आवासन मण्डल की प्रतिष्ठित मानसरोवर योजना में स्थित टेक्नॉलोजी पार्क में महिला एवं बाल विकास विभाग एवं राजस्थान आवासन मण्डल द्वारा महिलाओं की समस्याओं के समाधान एवं काउंसलिंग के लिये इंदिरा महिला शक्ति केन्द्र बनाया जायेगा।

उल्लेखनीय है कि गुरूवार को राजस्थान आवासन मण्डल के मुख्यालय स्थित बोर्ड रूम में इस केन्द्र के निर्माण के संबंध में शासन सचिव महिला एवं बाल विकास विभाग के.के. पाठक द्वारा एक प्रस्तुतीकरण दिया गया। इस संबंध में महिला एवं बाल विकास विभाग ने राजस्थान आवासन मण्डल को प्रस्ताव दिया है।

आयुक्त पवन अरोड़ा ने बताया कि बैठक में इस केन्द्र के निर्माण पर

बोर्ड द्वारा सैद्धांतिक सहमति व्यक्त की गई है और बोर्ड की आगामी बैठक में इस प्रोजेक्ट की अनुमति ली जायेगी। राजस्थान आवासन मण्डल और महिला एवं बाल विकास विभाग के मध्य राज्य सरकार की अनुमति के बाद एक एमओयू साईन किया जायेगा। इस प्रोजेक्ट की लागत लगभग 3 करोड़ रूपये होगी।

महिलाओं के लिये बनेगा गेस्ट हाउस : यहां दूर दराज से आने वाली महिलाओं को ठहरने के लिये विश्राम स्थल का निर्माण करवाया जायेगा। इस विश्राम स्थल में सभी आवश्यक सुविधाएं विकसित करने के साथ इसे वातानुकूलित बनाया जायेगा।

बनेगा किडस प्ले व एंटरटेनमेंट जोन : यहां बच्चों के शारीरिक विकास एवं मनोरंजन के लिये किडस प्ले व एंटरटेनमेंट जोन बनाया जायेगा। इसके साथ ही यहां पोषण वाटिका या न्यूट्री गार्डन, वॉक एण्ड लर्न पाथ वे भी बनाया जायेगा।

केन्द्र पर यह होगा खास

अरोड़ा ने बताया कि यहां महिलाओं की समस्याओं के समाधान से संबंधित विभिन्न काउंसलिंग एवं समाधान केन्द्र स्थापित किये जायेंगे। यह केन्द्र अभी महिला आयोग में चल रहा है जिसे यहां स्थानान्तरित किया जायेगा। यह केन्द्र अपनी तरह का अनूठा होगा, जिसमें बच्चों के लिये डे-केयर सेंटर व क्रेच और महिलाओं की समस्याओं के समाधान के लिये काउंसलिंग एवं समाधान केन्द्र बनाया जायेगा। इस केन्द्र पर सेल्फ डिफेंस एवं उद्यमिता व कौशल प्रशिक्षण हेतु नियमित सुविधा केन्द्र बनाने के साथ यहां आंगनबाडी कार्यकर्ताओं एवं साथिनों को प्रशिक्षण दिया जायेगा। यहां महिलाओं एवं बच्चों के लिये उनकी कला एवं अभिरूचि के विकास के लिये नियमित रूप से हॉबी क्लासेज के संचालन हेतु कला केन्द्र बनाया जायेगा।